


7.2 Best Practices:

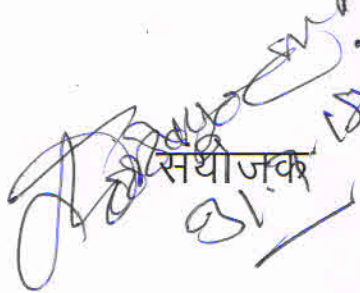
- Department of Sanskrit organizes a unique 7 days “**Sanskrit Sambhashan Shivir**” every year. Resource person from renowned institutions are invited to teach students. The seven days session help students in understanding the basics of Sanskrit grammar.
- In the memory Of Pt. Chainsukh Das, former Principal of the institution, “**Pt. Chainsukh Das Nyayateerth Smriti Vyakhyaan Mala (Lecture)**” is organized every year which continues its tradition of disseminating knowledge.
- In a first of its kind initiative aimed at evolving better perspectives on new-age poetry in Hindi and Sanskrit, over 15 poets of college and outside meet every year. Hence, “**Kavi Sannelan**” is organized every year by student union (as per the instructions given by IQAC) for encouraging student’s literary creativity.

सम्भाषण-शिविर प्रतिवेदन

दिनांक 25.07.2018 से 31.07.2018 तक महाविद्यालय में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रशिक्षक के रूप में डॉ. राकेश जैन, सहायकाचार्य, साहित्यविभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा में वार्तालाप करना सिखाया। इन्होंने संस्कृतगीत, संस्कृतभाषण, संस्कृत प्रश्नोत्तरी, संस्कृतभारती द्वारा प्रदत्त बुकलेट के इत्यादि साधनों की सहायता से बड़े रोचक ढंग से अध्ययन कराया।

छात्रों की रुचि को देखते हुए भविष्य में इस सम्भाषण शिविर को और व्यापक रूप आयोजन करने का विचार किया गया।


प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य महाविद्यालय
जयपुर नसियी रोड, सामाना, जयपुर-29 (राज.)


संयोजक
31/7/18



संस्थापित सन् : 1885

फोन : 9116636547



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

एवं

संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2019

विषय :- "प्राकृत वाङ्मय में मानवीय मूल्य"

अध्यक्षता

प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

मुख्य वक्ता

प्रो. प्रेमसुमन जैन
पूर्व प्रोफेसर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान)

शनिवार, दिनांक 19 जनवरी 2019 समय:- प्रातः 11:00 बजे

स्थान:- श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

निवेदकः

एन. के. सेठी
अध्यक्ष

डॉ. शीतल चन्द जैन
मानद् निदेशक

डॉ. अनिल कुमार जैन
प्राचार्य

महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़'
मानद् मंत्री

एवं समस्त महाविद्यालय परिवार

के अन्तर्गत

प्राकृत भाषा में मानवीय मूल्य विषय पर हुआ प्रभावक व्याख्यान

दिनांक 19 जनवरी 2019 को प्रो. अर्कनाथ चौधरी प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर की अध्यक्षता में प्राकृत वाङ्मय में मानवीय मूल्य पर प्रो. प्रेमसुमन जी जैन, पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष-जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग ने अपना महत्त्वपूर्ण उद्बोधन देते हुए कहा कि इस देश में प्राकृत भाषा का प्रचार-प्रसार एवं प्रयोग प्राचीन काल से ही रहा है, इसका सशक्त प्रमाण इसका बृहद् साहित्य है। यहां तक कि संस्कृत के प्राचीन महाकाव्यों में भी प्राकृत भाषा का प्रयोग हुआ है। प्राकृत भाषा की कथाएं और सूक्तियां आज की कराहती मानवता के लिए औषधि स्वरूप हैं, बस मानव जीवन में उनके प्रयोग की आवश्यकता है।

संस्था के अध्यक्ष श्री एन. के. सेठी जी ने इस गौरवशाली संस्था का परिचय प्रस्तुत किया था तथा मंत्री श्री महेशचन्द्र जी चांदवाड ने पं. चैनसुखदास जी का परिचय देते हुए उनके प्राचार्य पद पर दी गई सेवाओं को अस्मरणीय बताया।

संस्था के पूर्व प्राचार्य डा. शीतलचन्द्र जी ने पं. चैनसुखदास जी की अप्रतिम विद्वता का बखान करते हुए इस अवसर पर विमोचित महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका दर्शन-भारती रत्नत्रय विशेषांक को विशेष रूप से शोधार्थियों को लाभप्रद बताते हुए महाविद्यालय की प्रगति का वर्णन किया।

व्याख्यानमाला के अध्यक्ष प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने वैदिक संस्कृति एवं श्रमण संस्कृति की प्राचीनता का वर्णन करते हुए प्राकृत एवं संस्कृत की संन्निकटता पर प्रकाश डाला तथा प्राकृत भाषा के उन्नयन के लिए सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनिल कुमार जैन ने आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कृतज्ञता प्रकट की।

कार्यक्रम संचालक
(शैलेश कुमार जैन)

प्राचार्य
(डॉ. अनिल कुमार जैन)



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) मान्यता प्राप्त)
एवं
संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र
जयपुर
श्री जैनसुखदास न्यायतीर्था काव्यमाला 2019
विषय :- "प्राकृत व प्राकृत-अपभ्रंश का वैय मूल्य"
कवयिता
कविनाथ चोपरी
क 19
:00 बजे
जागर, जयपुर

पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2019
विषय :- "प्राकृत वाङ्मय में मानवीय मूल्य"
अध्यक्षता
प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर
मुख्य वक्ता
प्रो. प्रेमसुमन जैन
पूर्व प्राध्यापक, मोहनलाल स्मृति विद्या
विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)
शनिवार, दिनांक 27 जनवरी 2019 समय:- प्रातः 11:00 बजे
स्थान:- श्री दिगम्बर महालय, वीरोदय नगर, जैन नर्सियां रोड, जयपुर



डॉ. प्रेमसुमन जैन

प्रो. प्रेमसुमन जैन

श्री दिगम्बर महालय

वीरोदय नगर

प्रतिवेदन

कवि सम्मेलन 2018-19.

दिनांक
22.11.18

छात्रों के प्रतिभा विकास हेतु ^{IBAC द्वारा} साहित्यिक कार्यक्रम के अंतर्गत 'कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र कवियों ने स्वरचित रचनाओं को प्रस्तुत किया। इसमें छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही, तथा छात्र-छात्रों की अन्य कार्यक्रमों की अपेक्षा सर्वाधिक उपस्थित रही। यह कार्यक्रम लगभग 3½ घंटों तक सत्री को मंत्रमुग्ध किया रहा। इसके निर्वाहक रहे डॉ. रामदेव साहू तथा लडो ललित मिश्रा शर्मा रहे। सर्वसोद्य कवि के रूप में छात्र आग्रिक जैन ^(11th) को चुना गया, तथा निम्न कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की :-

1. ऋद्धिक कुमार जैन - 12th
2. संयम जैन - 2nd yr.
3. पीयूष जैन - 3rd yr.
4. अत्रिषिक जैन - 3rd yr.
5. अनेकांत जैन - 2nd yr.
6. भूषि जैन - 11th
7. निखिल जैन - 2nd yr.
8. अनुभव जैन - 3rd yr.
9. सजल जैन - 2nd yr.
10. संयम जैन - 2nd yr.

उपर्युक्त कार्यक्रम का संचालन भी छात्रों ने ही किया।
छात्रसंघ द्वारा सभी व्यक्तियों को संभाला गया।
कार्यक्रम अत्यंत हार्दिकता के साथ संपन्न हुआ। प्राचार्य
महोदय द्वारा कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सराहा गया व
भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन
करने की स्वीकृति दी गई।

प्रभारी

Gunja Patil

22.11.18

Shamir
22/11/18

प्रिंसिपल
प्राचार्य



विद्यया ऽ मृतमश्नुते

Ignorance is the curse of God;
knowledge is the wing wherewith
we fly to heaven.
- William Shakespeare

N. N. BETHI

C

शास्त्राचार्य संस्कृत महाविद्यालय
सांगानेर, जयपुर
मान्यता प्राप्त तथा ज. रा. राजस्थान संस्कृत
संस्थान से सम्बद्ध के छात्रसमूह द्वारा
आयोजित
हिस्सा कार्यक्रम

VARDHMAN

VARDHMAN